नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

राज्यों के जनादेश से मिल रहे नए संकेत

देश के पांच राज्यों,पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के चुनाव परिणाम से जाहिर हुआ कि भाजपा के खिलाफ राजनीति कर रहे दलों को भारी झटका लगा है. सबसे बड़ा उलटफेर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुआ है, जहां ममता बनर्जी और एमके स्टालिन को सत्ता से हटना पड़ा है. इन चुनावों में विशेष रूप से पश्चिम बंगाल पर सभी की निगाहें थी, यहां भाजपा ने आजादी के बाद पहली बार बहुमत हासिल किया है. दरअसल,यह परिणाम केवल सरकारों के गठन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे भारतीय राजनीति के बदलते चरित्र की एक गहरी कहानी भी बयान कर रहे हैं. चुनाव परिणामों के आंकड़े स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि मतदाता अब पारंपरिक राजनीति से आगे बढ़कर नए विकल्पों, नेतृत्व और मुद्दों की तलाश में हैं.

सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है. भारतीय जनता पार्टी का भारी बहुमत से जीतना महज एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि ममता बनर्जी के दशकभर के शासन को सीधी चुनौती है. बंगाल, जो लंबे समय तक क्षेत्रीय दलों का गढ़ रहा, वहां भारतीय जनता पार्टी का यह उभार यह दर्शाता है कि राष्ट्रीय राजनीति की पकड़ अब उन क्षेत्रों में भी मजबूत हो रही है, जहां कभी उसकी जमीन सीमित थी. जाहिर है इस संदर्भ में खास तौर पर पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम देखने होंगे. तमिलनाडु के नतीजे और भी चौंकाने वाले हैं. अभिनेता विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (टीवीके)का 100 से अधिक सीटों पर बढ़त बनाना द्रविड़ राजनीति के दशकों पुराने समीकरण को हिला रहा है.

द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम जैसे स्थापित द्रविड़ दलों का पीछे छूटना यह संकेत देता है कि जनता अब पारंपरिक दलों से ऊब चुकी है और नए नेतृत्व में संभावनाएं तलाश रही है. यह केवल एक क्षेत्रीय घटना नहीं, बल्कि पूरे देश में उभरते 'नए चेहरे बनाम पुराने ढांचे' की बहस को और तेज करेगा. केरल में सत्ता परिवर्तन भी कम महत्वपूर्ण नहीं है. कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा का बहुमत यह दिखाता है कि राज्य का मतदाता संतुलन बनाए रखने में विश्वास रखता है. वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के खिलाफ यह जनादेश विकास, रोजगार और शासन की गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर जनता की अपेक्षाओं को उजागर करता है.

असम में भारतीय जनता पार्टी का लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटना इस बात का प्रमाण है कि पूर्वोत्तर में पार्टी ने अपनी जड़ें गहरी कर ली हैं. यह जीत केवल संगठनात्मक मजबूती का परिणाम नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय और विकास के एजेंडे की स्वीकृति भी है. वहीं, पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की वापसी यह दिखाती है कि छोटे राज्यों में भी गठबंधन राजनीति का प्रभावी प्रबंधन कितना महत्वपूर्ण होता है. इन सभी रुझानों का समग्र विश्लेषण करें तो एक स्पष्ट संदेश उभरता है,भारतीय मतदाता अब अधिक जागरूक, प्रयोग धर्मी और परिणामोन्मुख हो चुका है. वह न केवल सत्ता परिवर्तन करने में संकोच नहीं करता, बल्कि नए विकल्पों को भी खुले मन से स्वीकार करता है. साथ ही, यह चुनाव यह भी दिखाता है कि केवल करिश्माई नेतृत्व या परंपरागत वोट बैंक अब जीत की गारंटी नहीं हैं; ठोस काम, विश्वसनीयता और स्थानीय मुद्दों की समझ ही निर्णायक बनती जा रही है.

2026 के ये नतीजे 2029 के लोकसभा चुनावों की दिशा भी तय कर सकते हैं. राष्ट्रीय दलों के लिए यह अवसर है कि वे इन संकेतों को समझें और अपनी रणनीतियों को नए सिरे से गढ़ें. वहीं, क्षेत्रीय दलों के लिए यह चेतावनी है कि यदि वे समय के साथ खुद को नहीं बदलते, तो मतदाता उन्हें पीछे छोड़ने में देर नहीं करेगा .बहरहाल, इन पांचों राज्यों में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयोग की भी प्रशंसा करनी होगी. कुल मिलाकर यह चुनाव परिणाम विपक्षी दलों के लिए किसी राजनीतिक झटके से कम नहीं हैं.

सुशासन का सफल सफर

बंगाल में तीन से 77 और अब सरकार

दिलीप झा

पांच राज्यों में से तीन राज्य पर भारतीय जनता पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल कर यह सिद्ध कर दिया है कि उसका सुशासन मॉडल देश की जनता को पसंद है. बंगाल की ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी अब यह गर्व से कह सकती है कि जहां जन्मे डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वह बंगाल हमारा है. क्योंकि यह असंभव से संभव वाली जीत है। जनता ने इतिहास रच दिया। इस सबसे बड़ी राजनीतिक जीत के सबसे बड़े शो मैन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसलिए साबित हुए क्योंकि आजादी के बाद पहली बार बंगाल में बीजेपी की सरकार बनाने में वह कामयाब हुए हैं। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि मोदी आज भी जनता से कनेक्ट करने में देश में तमाम नेताओं में सबसे आगे हैं और जीत के रथ पर सवार हैं। पूर्वी राज्यों में भी बीजेपी का परचम लहराने को लेकर पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति बंगाल की सरजमीन पर साफ दिखाई देने लगी थी। हालांकि बीजेपी ने एक के बाद क्षेत्रीय सूरमाओं की राजनीति को ध्वस्त करने का सिलसिला 2024 में एनडीए सरकार बनाने के बाद से ही शुरू कर दिया था। इसलिए यह कहने में संकोच नहीं कि अरब सागर से गंगासागर तक सियासत बदलने में अमित शाह की भूमिका अद्भुत है. पीएम मोदी ने बिहार चुनाव में जीत के बाद 14 नवम्बर, 2025 को जश्न समारोह में कहा था- गंगा जी बिहार से बहती हुई ही बंगाल जाती हैं और आज उनकी वाणी सच साबित हो गई है। चुप्पेचाप फुल छाप का नारा देकर 2011 में सत्ता में आई ममता बनर्जी की राजनीति को इस बार बंगाल की जनता ने नकार दिया है। खासतौर से बंगाल के भद्र पुरुषों में ममता बनर्जी के प्रति जबरदस्त आक्रोश था और उन्होंने ममता के नारे चुप्पेचाप फूलछाप को चुप्पे छाप कमल छाप पर मतदान कर यह सिद्ध कर दिया कि यह क्रांतिवीरों की भूमि है. और जब यहां की जनता सत्ता परिवर्तन की ठान लेती है तो फिर उसमें किंतु परंतु कुछ नहीं होता है। याद करिए जनता ने कैसे 35 वर्षों के वामपंथी सरकार को चलता करके ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार बना दी। कहने का आशय यह है कि भारत का लोकतंत्र जीवित है. जब जब कोई पार्टी या सत्ताधीश अहंकार में चूर हो जाए अथवा जनता जनार्दन को भूल जाए तो फिर उनका हश्र पतन के रूप में ही होता.

संघ के सौ साल पूरे होने पर पर बंगाल की सत्ता पर बीजेपी का राज एक ऐतिहासिक क्षण है. जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल की भूमि से थे और 1952 के पहली बार हुए चुनाव में जनसंघ को तीन सीटें हासिल हुई थीं. पिछले 15 साल से बंगाल पर शासन कर रहीं ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर करने के लिए पिछले दो साल से आरएसएस और बीजेपी संगठन बंगाल फतह की रणनीति बनाने पर काम कर रहा था। बिहार में जीत हासिल के बाद बीजेपी नेतृत्व इस बार आश्वस्त था। जो कुछ होगा ऐतिहासिक होगा। 130 सीट मुस्लिम बहुल हैं और टीएमसी के बारे में कहा जाता है कि 2021 के चुनाव में 100 सीटों पर उसका कब्जा था लेकिन 2026 के चुनाव में चुनाव आयोग ने एसआईआर के माध्यम से 90 लाख फर्जी मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाकर ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। हालांकि इस बार दोनों चरणों के मतदान के बाद ज्यादातर एग्जिट पोल ने बीजेपी की सरकार बनाने का दावा किया था। लेकिन यह बात विपक्षी दलों और नेताओं के गले नीचे नहीं उतर रही थी। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के नजरिए से देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार जय बंगाल और जय मां काली के जयघोष से शुरुआत कर बंगाल के साधारण लोग, भद्र लोग और व्यापारी वर्ग को यह अहसास कराने में सफल हो गए कि आप सत्ता परिवर्तन करें हम सुशासन देंगे। मोदी की दस गारंटी महिलाओं को पसंद आई और यह जीत का बड़ा कारण बना। वहीं, अमित शाह ने लोगों को भरोसा दिलाया कि वह 15 दिनों तक बंगाल में ही रहेंगे और टीएमसी के गुंडों ने अगर बदमाशी की तो उन्हें उल्टा लटका देंगे। उन्होंने लोगों के दिलों से डर हटाकर भरोसा कायम कर दिया कि आप बेहिचक मतदान करें।

(लेखक नवभारत भोपाल के संपादक के हैं.)

मालवा- निमाड़ की डायरी

क्या विजयवर्गीय को अब पंजाब की जिम्मेदारी !

संजय व्यास

बंगाल विधान सभा चुनाव में भाजपा की अभूतपूर्व सफलता पर अंचल के कद्दावर नेता और प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की खुशी भावुकता में बदल गई. वे 2016 से 2021 तक प. बंगाल के प्रभारी रह चुके हैं.

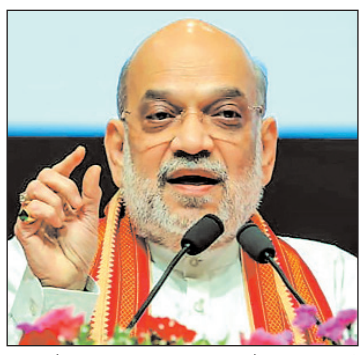

तात्कालीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने कैलाश विजयवर्गीय को बंगाल चुनाव की जिम्मेवारी सौंपी थी. हालांकि पंचायत, विधान सभा, लोकसभा चुनावों में भाजपा ने मतदाताओं में अच्छी घुसपैठ की थी, विजयवर्गीय ने वहां भाजपा के लिए जमीन भी तैयार की ,लेकिन बड़ी मेहनत के बाद भी 2021 विधान सभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा. जिसका विजयवर्गीय को आज तक मलाल रहा.

बंगाल प्रभारी रहते विजयवर्गीय भाजपा के लिए बंजर पड़ी वहां की जमीन को जिस तरह जोत के आए थे, उसी का परिणाम है कि इस बार भाजपा ने लहलहाती फसल काटी. 5 राज्यों के संपन्न चुनावों के बाद भाजपा का फोकस 2027 में होने वाले 7 राज्यों के विधान सभा चुनावों पर हैं. गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं. इन राज्यों में बंगाल की तरह पंजाब ही ऐसा प्रांत है, जहां भाजपा की पकड़ नहीं है.

चर्चा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शीघ्र राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन करेंगे, जिसमें कैलाश विजयवर्गीय को शामिल करने की प्रबल संभावना है. यह भी चर्चा है कि विजयवर्गीय के रणनीतिक कौशल को देखते हुए उन्हें पंजाब की कमान सौंप दी जाए.

सडक़ों पर ध्यान, नहर निर्माण और रखरखाव में चूक

विगत वर्षों में सरकार ने विकास के नाम पर सडक़ों के निर्माण को तो महत्व दिया, लेकिन नहर सिंचाई परियोजनाओं के मामले में उसकी चूक साफ नजर आ रही है. वर्तमान में मालवा क्षेत्र में 200 से अधिक छोटी बड़ी सिंचाई परियोजना चल रही है. बड़ी परियोजनाओं में नहर निर्माण उचित तरीके से और इसका मेंटेनेंस हो रहा है, लेकिन छोटी सिंचाई परियोजनाओं में नहर टूट रही है जिससे फायदा कम नुकसान ज्यादा हो रहा है.

जहां रास्ते में आने वाले किसानों के खेत में बेमौसम पानी भर जाने से उनकी फसलें खराब होने की घटनाएं सामने अक्सर आ जाती है, वहीं अंतिम छोर के किसानों को आखिरी तक पानी नहीं मिल पा रहा है. इस तरह की परेशानी देवास जिले के लगभग सभी ब्लॉक स्तरीय किसानों के पास आ रही है.

किसानों का कहना है कि शासन सडक़ों पर से थोड़ा ध्यान हटाकर नहरों के उचित निर्माण और रखरखाव में अपना ध्यान रखे. किसान अन्नदाता है उसी से देश चलता है.

बढ़ता इंतजार और कार्यकर्ताओं में मायूसी

खंडवा जिले के नगरीय निकायों में एल्डर मैन की नियुक्ति के निर्णय में लंबी खेंच से भाजपा कार्यकर्ताओं में निराशा का माहौल है. अगले साल तो फिर नगर निकाय चुनाव आ जाएंगे, एल्डर मैनों की नियुक्ति देर से होगी तो उनके पास समय ही कितना बचेगा. लंबे समय से सत्ता में सक्रिय कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि पहली सूची के जरिए उनका 'राजनीतिक वनवास' खत्म होगा, लेकिन तब तो छोड़ो अब तक इंतजार की घडियां समाप्त नहीं होने से निष्ठावान कार्यकर्ताओं में मायूसी साफ देखी जा सकती है. फिलहाल मुंदी, हरसूद, पंधाना और ओंकारेश्वर के दावेदार भोपाल की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं.

क्रूज हादसे के पीछे आपराधिक लापरवाही

मौसम विभाग ने 30 अप्रैल के लिए तेज आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की थी, बावजूद इसके जबलपुर के बरगी डैम पर मध्य प्रदेश पर्यटन निगम के कर्मचारियों ने डैम पर सैलानियों को क्रूज पर घूमने की इजाजत दे दी और कुल 28 पर्यटकों की टिकट काटी गई, जबकि क्रूज में 43 सैलानी सवार थे. यह साधारण लापरवाही नहीं, बल्कि कायदे-कानून और चेतावनियों को ताक पर रखने की पराकाष्ठा है. लगता है हादसे को मानो जानबूझकर आमंत्रित किया गया था. एक तरफ जहां मौसम विभाग की चेतावनी थी, वहीं सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा बांध में डीजल चालित क्रूज चलाने को बैन कर रखा था. इसके बावजूद न केवल धड़ल्ले से डीजल चालित क्रूज चल रहा था. साथ ही पर्यटकों की सुरक्षा के लिए क्रूज में जिन लाइफ बेल्ट की व्यवस्था थी, वो सब क्रूज के अंदर मौजूद एक कैबिन में सीलबंद पड़ी थीं. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बरगी डैम पर जो हृदयविदारक हादसा हुआ, उसे किस तरह लापरवाहियों से होने दिया गया था. मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग हादसे के लिए आंधी को जिम्मेदार ठहरा रहा है. लेकिन उसके लिए आंधी नहीं बल्कि अंधा-बहरा सिस्टम जिम्मेदार था. जो 28 लोग इस हादसे में बचे हैं, वह भी प्रशासन या डैम पर मौजूद किसी सुरक्षा व्यवस्था के चलते नहीं बल्कि स्थानीय लोगों की जांबाजी के चलते इन्हें बचाया जा सका है. क्रूज संचालन के लिए जिम्मेदार कर्मचारी अगर जरा भी नियमों का पालन करते तो यह हादसा न होता. शाम को 5 बजे जिस समय बांध में क्रूज से पर्यटकों को घूमने की इजाजत दी गई, उस समय भी 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं, जो बढ़कर 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच गईं. यह इतनी तेज आंधी है कि साधारण क्रूज ड्राइवर ऐसी हालत में क्रूज को क्या संभाल पाता.

रेस्क्यू के लिए आई एनडीआरएफ की टीम भी अगले कई घंटों तक ऑपरेशन नहीं शुरू कर सकी. क्या यह हृदयविदारक घटना हमें भविष्य की ऐसी घटनाओं के लिए झकझोरेगी ?

-विजय कपूर

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

इसे कहेंगे अपनी-अपनी तकदीर डॉलर के नोटों पर ट्रंप की तस्वीर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पासपोर्ट व डॉलर के नोटों पर अपना चित्र छापने का आदेश दिया है. क्या यह उनकी मनमानी नहीं है?'

हमने कहा, 'ट्रंप का रवैया ऐसा है कि मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी ! अगले महीने 14 जून को उनका बर्थडे आएगा. संयोग से यह तारीख 'फ्लैग डे' या 'झंडा दिवस' के रूप में मनाई जाती है. इसी तारीख को 250 वर्ष पहले अमेरिकी सेना का गठन हुआ था. अपने इस 80 वें जन्मदिन पर ट्रंप सैनिक परेड की सलामी लेंगे जिसमें टैंक और मिसाइल शामिल होंगे. वह प्रेसिडेंट के रूप में अमेरिकन आर्ड फोर्सेस के सुप्रीम कमांडर भी हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'ट्रंप की छोड़ो. प्रधानमंत्री मोदी भी प्रतिवर्ष अपना जन्मदिवस सीमा पर तैनात बहादुर जवानों के बीच मनाना पसंद करते हैं. आपने फौजी यूनिफार्म में गॉगल लगाए प्रधानमंत्री की तस्वीर देखी होगी, जिसमें वह सचमुच कमांडर नजर आते हैं. उनके बॉर्डर पर जाने से जवानों का हौसला बढ़ता है. हमारे पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम एयरफोर्स में पायलट बनना चाहते थे, लेकिन प्रेसिडेंट होने के बाद भारतीय सेना के तीनों अंगों के सर्वोच्च सेनापति बन गए. उन्होंने सुपरसॉनिक सुखोई विमान में उड़ान का सुख भी लिया था. नेताजी सुभाषचंद्र बोस जब तक कांग्रेस के बड़े नेता थे तब तक खादी का कुर्ता-धोती पहनते थे. महात्मा गांधी से मतभेद के बाद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर फॉरवर्ड ब्लॉक बनाया फिर फौजी यूनिफार्म पहनकर आजाद हिंद फौज का नेतृत्व किया. आजादी की लड़ाई में इस फौज का बड़ा योगदान था, जो बर्मा (म्यांमार) से होते हुए इम्फाल तक आ गई थी. इससे अंग्रेज बुरी तरह घबरा गए थे.'

हमने कहा, 'निशानेबाज, जनरल ड्वाइट डी आइजनहावर अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे. जॉन एफ केनेडी भी पहले नेवी में लेफ्टिनेंट थे. बाद में अमेरिका के सबसे युवा प्रेसिडेंट चुने गए. जर्मनी का हिटलर, इराक का सद्दाम हुसैन, लीबिया का तानाशाह गद्दाफी भी फौजी ड्रेस पहनते थे. पाकिस्तान में ज्यादातर फौजी जनरलों की हुकूमत रही. अयूब खान, याह्या खान, जिया-उल-हक और परवेज मुशर्रफ इसकी मिसाल हैं. वहां के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को ट्रंप ने ग्रेट फील्डमार्शल कहा है. जहां तक डॉलर पर फोटो छपवाने की बात है, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन, अब्राहम लिंकन व जेफरसन के चित्रवाले डॉलर के बाद अब ट्रंप की तस्वीर भी डॉलर पर छपेगी. इस तरह वह इतिहास रचेंगे.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12248

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	■	3			
	■	4			■	■	■
5			■	■	6		7
	■	8	9	10		■	
■	11	■	12			13	
14		15	■		■		■
16			■	17	18	■	19
	■	20		■	21		

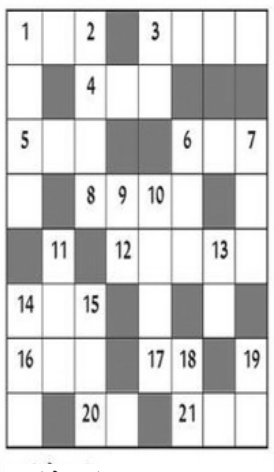

बाएं से दाएं

1.स्वाद लोलुप, चटपटी चीजों का शौकीन 3. ताकतवर, शक्तिशाली 4. मुंह में ऊपर-नीचे की हड्डी जिसमें दांत जमे रहते हैं 5. धोखा, भुलाबा 6. मनुष्य (उर्दू) 8. कपड़े की बुनावट में लंबाई और चौड़ाई के बल बुने हुए सूत 12. बहाना, बार-बार टालने की क्रिया 14. स्त्रियों के लिए आदरसूचक शब्द, रानी, पत्नी, ताश का एक पत्ता (उर्दू) 16. चरखे, तकली आदि पर रूई या ऊन से धागा निकालना 17. विशेष, मुख्य, प्रधान 20. रहित, शून्य, तुच्छ 21. उत्तर-पूर्व का कोना, स्वामी

ऊपर से नीचे

1. खूब चमकता हुआ 2. किसी देश के राजा या शासक की माता 3. विशाल, उम्र में अधिक 6. पुरस्कार (उर्दू) 7. ऊंट बैल आदि के नाक में बंधी हुई रस्सी 9. बौना, कम ऊंचा 10. बचपन का मित्र 11. वह व्यय जो किसी वस्तु को बनाने में खर्च होता है 13. किसी के टोकने से नजर का होने वाला अनिष्ट परिणाम, टोकने की क्रिया या भाव 14. खाली या निरुद्यम का भाव, वह अवस्था जिसमें निर्वाह के लिए किसी के हाथ में कोई काम धंधा न हो 15. मना करने की क्रिया या भाव 18. वृद्धि, बरकत, सखी 19. घोड़े की पीठ पर रखने की गद्दी, काठी

Solution 12247

म	हा	ब	ल	■	सु	के	श
ह	■	रा	त	रा	नी	■	य
ना	य	ब	■	हु	ल	क	ना
■	शो	र	गु	ल	■	द	गा
बं	ध	■	फा	■	फ	■	र
द	रा	र	■	सु	रा	ग	■
गो	■	बा	ध्यी	क	र	ण	■
भी	ग	ना	■	न्या	■	क	ल्ल

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में रूके कार्यो की शुरूआत होगी, भूमि भवन आदि का सुख मिलेगा, वर्ष के मध्य में नई योजनाओं पर विचार विमर्श होगा, अधिकारियों के सहयोग से कार्यक्षेत्र में एवं प्रभाव में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में आर्थिक कमी के कारण योजनायें वाधित होंगी, शिक्षा में अचानक व्यवधान आयेगा, आकस्मिक यात्रा में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भूमि भवन आदि का सुख मिलेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को नई योजनाओं पर विचार विमर्श होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों की शिक्षा में अचानक व्यवधान आ सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को लाभदायक अवसर प्राप्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को यश प्राप्त होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को निजीदायित्वों की पूर्ति होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, परोपकारी, बुद्धिमान, परिश्रमी, और प्रगतिशील होगा, शिक्षा में अग्रणी रहेगा, अनेक विद्याओं का ज्ञाता होगा, उदर रोग एवं चर्मरोग से कष्ट होगा, माता पिता का भक्त होगा.

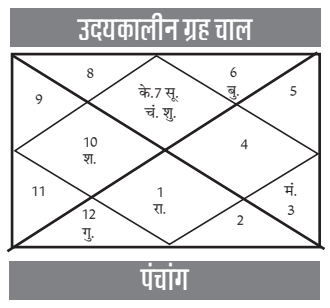

मेष- जोखिम के कार्यो से दूर रहें, चापलूस लोगों के कारण परेशानी होगी, धन मान-सम्मान की वृद्धि होगी, उपहार आदि मिलने का योग है.

वृषभ- बच्चों के कैरियर और पढ़ाई की चिन्ता रहेगी, शांति से अच्छे समय का इन्तजार करें, ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपको किसी के सामने नीचा देखना पड़े.

मिथुन- अति उत्साह में जोखिम भरा निर्णय ले सकते हैं,नौकरी में पदभार बढेगा, आत्मविश्वास बना रहेगा, किसी नये कार्य की शुरूआत होगी.

कर्क- साझेदारी में मनमुटाव के कारण कार्य छोड़ने का मन बन सकता है, नये संपर्क बढ़ेंगे, जीवनसाथी का सहयोग रहेगा, व्यर्थ की परेशानी होगी.

सिंह- कार्यस्थल पर कुछ कठोर निर्णय लेना पड़ेंगे, कार्य की अधिकता रहेगी, साझेदारी के कारण कार्यो में विशेष सतर्कता रखें, राजनैतिक व्यस्तता बनी रहेगी.

कन्या- महत्वपूर्ण कार्यो में दुविधा की स्थिति नुकसानदायी रहेगी, पुराने निवेश का लाभ मिलेगा, परिश्रम अधिक करना होगा, अतिथि आगमन हो सकता है.

तुला- समय देखकर अपने कार्य में बदलाव करेंगे, आय का नया मार्ग प्रशस्त होगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, शुभ संदेश मिलेगा.

वृश्चिक- पारिवारिक समस्या के समाधान के आसार बनेंगे, छोटी सी बात पर उत्तेजित न हों, संयम एवं सतर्कता से काम लें, लाभदायक अवसर प्राप्त होने का योग है.

धनु- यात्रा में समय और धन की बर्बादी होगी, विलासिता के कार्यो में खर्च होगा, पारिवारिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी, आर्थिक क्षेत्र में प्रगति होगी.

मकर- कार्यक्षेत्र में कुछ अच्छा प्रस्ताव मिल सकते हैं, विरोधियों से सावधान रहें, आर्थिक मामलों में सफलता प्राप्त होगी, दस्तकारी कार्यो में खर्च होगा.

कुम्भ- विदेश यात्रा या दूर की यात्रा का प्रोगाम बन सकता है, संतान के संबंध में सुधार होगा, व्यवसायिक समस्याओं का समाधान होगा.

मीन- दूसरों के दुख दर्द में साथ देकर मानसिक प्रसन्नता मिलेगी, मैत्री संबंधों में सुधार होगा, व्यवसायिक समस्याओं का समाधान होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 15 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी भौमवासरे रात 5/2, ज्येष्ठा नक्षत्रे दिन 10/54, शिव योगे रात 10/28, वव करणे सू.उ. 5/29, सू.अ. 6/31, चन्द्रचार वृश्चिक दिन 10/54 से धनु, पर्व- संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 9,11,12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी को ज्येष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से उड़द, गेहूॅं, मोट, अरंडी, बिनौला, घी, तेल, के भाव में तेजी होगी, रूई, कपास, जूट, पाट, बारदाना, हैसियन, के भाव में साधरण तेजी होगी. भाग्यांक 1552 है.

SUDOKU 7380

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

• प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. • पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. • पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7379

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9